भाकृअनुप
ICAR

सत्यमेव जयते
Department of Biotechnology
Govt. of India

मध्य प्रदेश के आठ आंकाक्षी जिलों में बायोटेक किसान हब की विस्तार गतिविधियाँ परियोजना के अन्तर्गत

प्रेरणादायक सफलता की गाथाएँ

संकलक एवं संपादक :
डॉ. राकेश कुमार वर्मा
डॉ. संजीव कुमार
डॉ. नीता खाण्डेकर

प्रकाशक :

निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान,
खण्डवा रोड़, इन्दौर – 452 001 (म.प्र.)

प्रायोजक :

डी.बी.टी. (जैव प्रौद्योगिकी विभाग) द्वारा प्रायोजित मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक किसान हब की विस्तार गतिविधि परियोजना

संकलक एवं संपादक :

डॉ. राकेश कुमार वर्मा
डॉ. संजीव कुमार
डॉ. नीता खाण्डेकर

उद्धरण :

राकेश कुमार वर्मा, संजीव कुमार एवं नीता खाण्डेकर (2024), मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक किसान हब की विस्तार गतिविधियाँ परियोजना के अन्तर्गत प्रेरणादायक सफलता की गाथाएँ, भा.कृ.अनु.प. – भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर (म.प्र.) पृष्ठ संख्या–18

1 वैज्ञानिक मार्गदर्शन-सफल किसान

परिचय

नाम	:	**श्री शिवशंकर वैद्य**
पिता	:	श्री रामनारायण वैद्य
पता	:	ग्राम खिड़गाँव
		जिला–खंडवा (म. प्र.)
आयु	:	45 वर्ष
कुल जमीन	:	5 एकड़
उगाई जा रही फसल	:	सोयाबीन, मक्का
संपर्क नं.	:	9165665226

• **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।

• **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री शिवशंकर जी एक प्रगतिशील किसान है जो नई–नई तकनीकियों को अपनाने मे विश्वास रखते है जो कि वर्तमान में कृषकों को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है। श्री शिवशंकर जी, ग्राम खिड़गाँव, जिला खंडवा, मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक – किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण– II के माध्यम से जुड़े हुये है । इन्होने इस परियोजना के माध्यम से सोयाबीन की वैज्ञानिक खेती के बारे में भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर के वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में सोयाबीन की नवीनतम प्रजातियों के उपयोग, सही रूप से बीजोपचार, अनुसंशित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग तथा खरपतवार, कीटों एवं बीमारियों का सही समय पर प्रबंधन से अपनी फसल की उत्पादकता को बढाया है । जो कि पहले वो लगभग 2.5 क्विंटल एकड़ लेते थे जबकि नवाचार एवं उन्नत तकनीकियों के इस्तेमाल से उन्होंने 5 क्विंटल उत्पादन प्रति एकड़ प्राप्त किया।

2 उत्तम प्रशिक्षण-प्रगति सुनिश्चित

परिचय

नाम : **श्री जगदीश जाधव**
पिता : श्री नत्थू जाधव
पता : ग्राम सिंगोट
जिला–खंडवा (म. प्र.)
आयु : 40 वर्ष
कुल जमीन : 5 एकड़
उगाई जा रही फसल : सोयाबीन
संपर्क नं. : 9755267824

- **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।
- **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री जगदीश जी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सोयाबीन की उन्नत उत्पादन तकनिकी की जानकारी भा.कृ.अनु.प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर के वैज्ञानिकों से ली जैसे – बीजोपचार, बीबीएफ मशीन से बुवाई, समेकित कीट प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, सोयाबीन अंतरवर्ती फसलें तथा उन्नत एवं नई किस्मों का चयन। श्री. जगदीश जी ने कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात ही अच्छी एवं उत्तम कृषि पद्धतियों को अपने खेत पर अपनाया और सोयाबीन के खेत में डीएपी, एमओपी और सल्फर की अनुशंसित दर का प्रयोग एवं रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग किया। इनका उपयोग करके उन्होंने सोयाबीन उत्पादन 6 क्विंटल प्रति एकड़ प्राप्त किया।

3 अन्तवर्ती फसलें- समृद्ध किसान

परिचय

नाम : **श्री गोविन्द**
पिता : श्री दावल्या
पता : ग्राम जीरवन
जिला–खंडवा (म. प्र.)
आयु : 55 वर्ष
कुल जमीन : 5 एकड़
उगाई जा रही फसल : सोयाबीन
संपर्क नं. : 7805047016

• **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।

• **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री गोविन्द जी एक प्रगतिशील किसान है तथा नई–नई तकनीकियों को अपनाने मे विश्वास रखते है जो कि वर्तमान में कृषकों को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है । श्री गोविन्द जी को प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सोयाबीन की उन्नत उत्पादन तकनिकी की जानकारी भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर के वैज्ञानिकों द्वारा प्रदान की गई थी जैसे बीजोपचार, बीबीएफ मशीन से बुवाई, समेकित कीट प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, सोयाबीन अंतरवर्ती फसलें अनुसंशित बीज दर से बुवाई तथा उन्नत एवं नई किस्मों का चयन आदि। इन्होने अपने खेतों में बौवनी के समय पर पौधे से पौधे को अनुसंशित दूरी तथा बोवनी पूर्व अंकुरण परिक्षण के आधार पर बीज दर को अपना कर इन्होंने बीज की बर्बादी को भी कम किया । श्री गोविन्द जी ने कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात ही इन अच्छी एवं उत्कृष्ट कृषि पद्धतियों को अपने खेत पर अपनाया।

4 मोटा अनाज - स्वस्थ समाज

परिचय

नाम	:	**श्री जसवंत**
पिता	:	श्री येमसिंह
पता	:	ग्राम लालमाटी
		जिला–खंडवा (म. प्र.)
आयु	:	45 वर्ष
कुल जमीन	:	3 एकड़
उगाई जा रही फसल	:	ज्वार, सोयाबीन
संपर्क नं.	:	9303243963

- **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।
- **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री जसवंत जी एक प्रगतिशील किसान है एवं नई–नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो की वर्तमान में कृषकों को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है। श्री जसवंत जी, ग्राम लालमाटी, जिला खंडवा, मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ.अनु.प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक – किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण– ।। के माध्यम से जुड़े हुये हैं । इन्होंने इस परियोजना के माध्यम से भा.कृ.अनु.प. – भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर के वैज्ञानिकों के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सही समय पर कीटनाशकों एवं खाद (उर्वरकों) का प्रयोग कर ज्वार फसल की वैज्ञानिक तकनिकी को अपनाकर ज्वार के उत्पादन को बढाया।

5 वैज्ञानिक सलाह से सम्पन्न किसान

परिचय

नाम	:	**श्री श्याम**
पिता	:	श्री आसाराम
पता	:	ग्राम गरणगाँव जिला–खंडवा (म. प्र.)
आयु	:	32 वर्ष
कुल जमीन	:	10 एकड़
उगाई जा रही फसल	:	ज्वार, सोयाबीन, मक्का
संपर्क नं.	:	7024538192

• **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।

• **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री श्याम बारोल जी एक प्रगतिशील किसान है एवं नई–नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो की वर्तमान में कृषकों को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है । श्री श्याम बारोल जी, ग्राम गरणगाँव, जिला खंडवा, मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक – किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–।। के माध्यम से जुड़े हुये हैं । भा.कृ. अनु. प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर के वैज्ञानिकों द्वारा जानकारी प्रदान की गई थी जैसे – बीजोपचार, समेकित कीट प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, सोयाबीन अंतरवर्ती फसलें तथा उन्नत एवं नई किस्मों का चयन आदि । इन्होनें कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात ही इन अच्छी एवं उत्कृष्ट कृषि पद्धतियों को अपने खेत पर अपनाया और सोयाबीन, ज्वार के खेत में डीएपी, एमओपी और सल्फर की अनुशंसित दर एवं रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग भी सही रूप से किया ।

6 मिट्टी परिक्षण कीटप्रबंधन- भरपूर उत्पादन समृद्ध किसान

परिचय

नाम	:	**श्री रमेश**
पिता	:	श्री मगन
पता	:	ग्राम जुनापानी जिला–खंडवा (म. प्र.)
आयु	:	32 वर्ष
कुल जमीन	:	4 एकड़
उगाई जा रही फसल	:	ज्वार, सोयाबीन
संपर्क नं.	:	9174186837

• **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।

• **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री रमेश जी एक प्रगतिशील किसान हैं और ये नई–नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो की वर्तमान में कृषको को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है । श्री रमेश जी, ग्राम जुनापानी, जिला खंडवा, मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ.अनु. प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक – किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण– II के माध्यम से जुड़े हुये है और इन्होने भूमि की गहरी जुताई, मिट्टी परीक्षण, खरपतवार नियंत्रण, समय पर कीट एवं रोग नाशक दवाओं का छिड़काव, समय–समय पर निगरानी व देखरेख भी की तथा इन्होने इस परियोजना के माध्यम से भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर के वैज्ञानिकों की सलाह से उचित मात्रा में उर्वरक का प्रयोग, समय समय पर कर्षण क्रियाएं, अनुसंशित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग कर अपनी फसल के उत्पादन को बढाया ।

7 बायोटेक किसान हब- सम्पन्न हो किसान सब

परिचय

नाम	:	**श्री राकेश**
पिता	:	श्री कैलाश
पता	:	ग्राम खड़की जिला–खंडवा (म. प्र.)
आयु	:	37 वर्ष
कुल जमीन	:	3 एकड़
उगाई जा रही फसल	:	सोयाबीन
संपर्क नं.	:	9399669244

• **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।

• **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री राकेश जी एक प्रगतिशील किसान है एवं नई–नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो की वर्तमान में कृषकों को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है । श्री राकेश जी, ग्राम खडकी, जिला खंडवा, मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ. अनु. प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक – किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण ।। के माध्यम से जुड़े हुये है । वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार इन्होंने उचित किस्म एवं उपयुक्त बीज का चयन कर उसे अनुशंसित फफुन्दनाशाकों के साथ बीज उपचारित किया। समय पर बौवनी, उचित बीज दर उचित मात्रा में खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग कर इन्होने फसल पर आने वाली लागत को कम किया। इन्होने अपने खेत में बौवनी से पहले गर्मी के मौसम में खेत की गहरी जुताई कर कीटों एवं बिमारियों के प्रकोप को कम करने में सफलता पायी। एक अच्छे एवं प्रगतिशील किसान होने के नाते वे सदैव ही अपने खेत का निरीक्षण करते हैं, ताकि वह किसी भी कीट एवं बीमारी को फैलने से बचा सकें और समय पर उचित उपचार कर सकें। और अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें ।

8 बोवनी पूर्व अंकुरण परिक्षण अपनाना है खेती को सुरक्षित बनाना है

परिचय

नाम	:	**श्री सुनील**
पिता	:	श्री गुलाब सिंह
पता	:	ग्राम गंधवा
		जिला–खंडवा (म. प्र.)
आयु	:	38 वर्ष
कुल जमीन	:	10 एकड़
उगाई जा रही फसल	:	सोयाबीन
संपर्क नं.	:	7610192425

• **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।

• **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री सुनील जी एक प्रगतिशील किसान है एवं नई–नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो की वर्तमान में कृषको को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है । श्री सुनील जी, ग्राम गंधवा, जिला खंडवा, मध्यप्रदेश मे क्रियान्वित भा.कृ. अनु. प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक – किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–।। के माध्यम से जुड़े हुये है । पौधे से पौधे को अनुसंशित दूरी तथा बोवनी पूर्व अंकुरण परिक्षण के आधार पर बीज दर को अपना कर इन्होंने बीज की बर्बादी को भी कम किया। इन्होनें उन्नत किस्म का बीज, कीटनाशक दवाईयां एवं अनुसंशित मात्रा में उर्वरकों के उचित प्रयोग करने से इनके खेत में खरपतवारों का प्रकोप भी अपेक्षाकृत कम रहा। इन्होने इस परियोजना के माध्यम से सोयाबीन की वैज्ञानिक खेती के बारे में विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त कर नवीन तकनीकों को अपनाकर अधिकतम उत्पादन प्राप्त किया। जोकि वो पहले लगभग 3 क्विंटल /एकड़ लेते थे जबकि नवाचार एवं उन्नत तकनीकियों के इस्तेमाल से उन्होंनें 5 क्विंटल उत्पादन प्रति एकड़ प्राप्त किया।

9 श्रम और तकनीक का मेल समृद्ध किसान-समृद्ध देश

परिचय

नाम	:	**श्री छगन**
पिता	:	श्री नगेन्द्र
पता	:	ग्राम लालमाटी जिला–खंडवा (म. प्र.)
आयु	:	45 वर्ष
कुल जमीन	:	5 एकड़
उगाई जा रही फसल	:	सोयाबीन, ज्वार
संपर्क नं.	:	: 9575715347

- **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।
- **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री छगन जी एक प्रगतिशील किसान है एवं नई–नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो की वर्तमान में कृषकों को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है । श्री छगन जी, ग्राम लालमाटी, जिला खंडवा, मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ. अनु. प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक – किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण– ।। के माध्यम से जुड़े हुये है । इन्होने इस परियोजना के प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से ज्वार एवं सोयाबीन की उन्नत उत्पादन तकनिकी की जानकारी भा.कृ. अनु. प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर के वैज्ञानिकों द्वारा प्रदान की गई थी जैसे – बीजोपचार, उचित पौध संख्या, समेकित कीट प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, सोयाबीन अंतरवर्ती फसलें तथा उन्नत किस्म की जानकारी प्राप्त कर नवीन तकनीकों को अपनाकर अधिकतम उत्पादन प्राप्त किया ।

10 वैज्ञानिक खेती महान-अधिक उत्पादन सम्पन्न किसान

परिचय

नाम	:	**श्री भिया सिंह**
पिता	:	श्री गीना
पता	:	ग्राम भंगीदड़ जिला–बड़वानी (म.प्र.)
आयु	:	27 वर्ष
कुल जमीन	:	5 एकड़
उगाई जा रही फसल	:	कपास,मक्का,सोयाबीन
संपर्क नं.	:	7909985060

• **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।

• **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री भिया सिंह जी एक प्रगतिशील किसान है एवं नई–नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते हैं। जोकि वर्तमान में कृषकों को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है । श्री भिया सिंह जी, ग्राम भंगीदड, जिला बड़वानी, मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ. अनु. प. – भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक – किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण– ।। के माध्यम से जुड़े हुये है । इन्होने इस परियोजना के माध्यम से कपास की वैज्ञानिक खेती के बारे में विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त कर कपास की फसल में लगने वाली कीट एवं बीमारियों को समझा और परियोजना के माध्यम से प्राप्त कीटनाशकों एवं फफूंदनाशक दवाइयों का उचित समय पर छिड़काव किया जिससे कपास की फसल से अधिकतम उत्पादन देखने को मिला। जोकि वो पहले लगभग 8 क्विंटल /एकड़ लेते थे जबकि नवाचार एवं उन्नत तकनीकियों के इस्तेमाल से उन्होंनें 12 क्विंटल उत्पादन प्रति एकड़ प्राप्त किया।

11 बायोटेक किसान हब का हाथ प्रगतिशील किसानों के साथ

परिचय

नाम	:	**श्री प्रताप सिंह**
पिता	:	श्री काशीराम
पता	:	ग्राम निवाली जिला–बड़वानी (म.प्र.)
आयु	:	32 वर्ष
कुल जमीन	:	4 एकड़
उगाई जा रही फसल	:	कपास, मक्का, ज्वार, अरहर
संपर्क नं.	:	8815905530

- **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।
- **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री प्रताप सिंह जी एक प्रगतिशील किसान हैं एवं नई–नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो की वर्तमान में कृषकों को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है । श्री प्रताप सिंह जी, ग्राम निवाली, जिला बड़वानी, मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ. अनु. प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक – किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण– ।। के माध्यम से जुड़े हुये है । इन्होने इस परियोजना के माध्यम से वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में कपास एवं अरहर, मक्का एवं सोयाबीन की अंतरवर्ती फसल लगाकर तथा फसल के उर्वरकों का उचित प्रयोग कर और फसल में लगने वाली बीमारियों का उचित समय पर नियंत्रण किया जिससे अपनी फसल की आय में वृद्धि की । जोकि वो पहले लगभग 6 क्विंटल /एकड़ लेते थे जबकि नवाचार एवं उन्नत तकनीकियों के इस्तेमाल से उन्होंनें 10–11 क्विंटल उत्पादन प्रति एकड़ प्राप्त किया।

12 अनुसंधानों का मिलता लाभ भरपूर उत्पादन सम्पन्न किसान

परिचय

नाम	:	**श्री अन्तर सिंह**
पिता	:	श्री मूसा
पता	:	ग्राम डोगल्यापानी जिला–बड़वानी (म.प्र.)
आयु	:	47 वर्ष
कुल जमीन	:	7 एकड़
उगाई जा रही फसल	:	कपास, सोयाबीन, मक्का, ज्वार
संपर्क नं.	:	7384756908

• **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।

• **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री अन्तरसिंह जी एक प्रगतिशील किसान है जो नई–नई तकनीतियों को अपनाने में विश्वास रखते हैं। श्री अन्तरसिंह जी, ग्राम डोगल्यापानी, जिला बड़वानी मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक–किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–।। के माध्यम से जुड़े हुये हैं। इन्होंने इस परियोजना के माध्यम से भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर के कृषक को उन्नत किस्म का बीज, कीटनाशक दवाईयाँ एवं अनुसंशित मात्र में उर्वरकों के उचित उपयोग करने की सलाह दी गई जिससे किसान उन्नत तकनीक अपनाकर अपनी फसल की उपज में वृद्धि की ।

13 वैज्ञानिक खेती का जब होगा आधार भरपूर उत्पादन-समृद्धि अपार

परिचय

नाम	: **श्री सुखलाल**
पिता	: श्री जगदीश
पता	: ग्राम निवाली जिला–बड़वानी (म.प्र.)
आयु	: 33 वर्ष
कुल जमीन	: 6 एकड़
उगाई जा रही फसल	: कपास,मक्का,सोयाबीन
संपर्क नं.	: 7400597424

• **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।

• **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री सुखलाल जी एक प्रगतिशील किसान हैं एवं नई–नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो की वर्तमान में कृषकों को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है । श्री सुखलाल जी, ग्राम निवाली, जिला बड़वानी, मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ. अनु. प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक – किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण– ।। के माध्यम से जुड़े हुये है । इन्होने इस परियोजना के माध्यम से कपास की वैज्ञानिक खेती के बारे में विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त कर कपास की फसल की बुआई में पौधे से पौधे एवं कतार से कतार की उचित दुरी रखी जिससे बीज की कम मात्रा लगी और अतिरिक्त लागत कम हुई इसके साथ समय पर निदाई गुड़ाई उचित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग तथा कीट एवं बिमारियों का समय पर नियंत्रण कर अपनी फसल की उपज को बढाया ।

14 बायोटेक किसान हब का लाभ नवीन तकनिकों से सर्मद्ध किसान

परिचय

नाम	:	**श्री मांगीलाल**
पिता	:	श्री कम्मा
पता	:	ग्राम जामन्या जिला–बड़वानी (म.प्र.)
आयु	:	36 वर्ष
कुल जमीन	:	10 एकड़
उगाई जा रही फसल	:	ज्वार, मक्का, सोयाबीन, कपास
संपर्क नं.	:	9669738666

• **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।

• **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री मांगीलाल जी एक प्रगतिशील किसान है एवं नई–नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो की वर्तमान में कृषकों को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है । श्री मांगीलाल जी, ग्राम जामन्या, जिला बड़वानी, मध्यप्रदेश मे क्रियान्वित भा.कृ. अनु. प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक – किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण– ।। के माध्यम से जुड़े हुये है । इन्होने इस परियोजना के माध्यम से भा.कृ. अनु. प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर के वैज्ञानिकों के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर ज्वार फसल की वैज्ञानिक तकनिकी को अपना कर उन्नत किस्मों का प्रयोग, उचित समय पर उर्वरकों का प्रयोग तथा सही समय पर उचित कीटनाशकों का उपयोग किया जिससे ज्वार के उत्पादन में वृद्धि हुई तथा बाजार में ज्वार के भाव अच्छे मिले जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई। जोकि वो पहले लगभग 8 क्विंटल /एकड़ लेते थे जबकि नवाचार एवं उन्नत तकनीकियों के इस्तेमाल से उन्होंनें 10 क्विंटल उत्पादन प्रति एकड़ प्राप्त किया।

15 वैज्ञानिकगण खेती को देते नए आयाम-किसान बढ़ाता देश का नाम

परिचय

नाम	:	**श्री सुभाष**
पिता	:	श्री मालू
पता	:	ग्राम मंसूर जिला–बड़वानी (म.प्र.)
आयु	:	32 वर्ष
कुल जमीन	:	3 एकड़
उगाई जा रही फसल	:	ज्वार, मक्का, सोयाबीन
संपर्क नं.	:	: 9669596236

• **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।

• **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री सुभाष जी एक प्रगतिशील किसान है एवं नई–नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो की वर्तमान में कृषकों को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है । श्री सुभाष जी, ग्राम मंसूर, जिला बड़वानी मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ. अनु. प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक – किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण– ।। के माध्यम से जुड़े हुये है । इन्होने इस परियोजना के माध्यम से उचित बीज प्राप्त कर अपनी फसल में विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से जानकारी प्राप्त कर उचित पौध संख्या, समय पर निंदाई गुड़ाई, और अनुशंसित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग कर फसल की उपज में वृद्धि की तथा इनकी सफलता से प्रेरित होकर अन्य किसान कृषक भी इस क्षेत्र में ज्वार एवं सोयाबीन की खेती कर लाभ प्राप्त कर रहे है।

16 वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन-देता समृद्धि बढ़ाता उत्पादन

परिचय

नाम	:	**श्री पुन्या**
पिता	:	श्री मान्या
पता	:	ग्राम सिदड़ी जिला–बड़वानी (म.प्र.)
आयु	:	30 वर्ष
कुल जमीन	:	3 एकड़
उगाई जा रही फसल	:	ज्वार, सोयाबीन
संपर्क नं.	:	: 9174828770

• **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।

• **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री पुन्या जी एक प्रगतिशील किसान है एवं नई–नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो की वर्तमान में कृषको को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है । श्री पुन्या जी, ग्राम सिदडी, जिला बड़वानी, मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ. अनु. प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक – किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण– ।। के माध्यम से जुड़े हुये है। इन्होने इस परियोजना के माध्यम से भा.कृ.अनु.प. – भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर के वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन से ज्वार की उन्नत किस्म का चयन किया बीजोपचार, समय पर बुवाई, निंदाई गुड़ाई, उचित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग तथा समय पर कीट पतंगों एवं फसल में लगने वाली बिमारियों का समय पर नियंत्रण कर उपज में वृद्धि की तथा फसल में लगने वाली अतिरिक्त लागत को कम कर अपनी आय को बढाया ।

17 अन्तवर्ती फसलें करती कमाल किसान होता मालामाल

परिचय

नाम	:	**श्री गेंदालाल**
पिता	:	श्री मांगीलाल
पता	:	ग्राम सिदड़ी जिला–बड़वानी (म.प्र.)
आयु	:	36 वर्ष
कुल जमीन	:	5 एकड़
ज्वार के अधीन जमीन	:	1 एकड़ मक्का, सोयाबीन
संपर्क नं.	:	974462636

• **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।

• **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

निवारण

श्री गेंदालाल जी एक प्रगतिशील किसान है एवं नई–नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो की वर्तमान में कृषको को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है । श्री गेंदालाल जी, ग्राम सिदडी, जिला, मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ. अनु. प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक–किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–।। के माध्यम से जुड़े हुये है । वैज्ञानिकों की राय के अनुसार इन्होने तय किया कि फसल चक्र एवं अधिक लाभ कमाने के लिए सोयाबीन के साथ अंतरवर्ती फसल भी लगायेंगे। ये शुरू से ही पशुपालन से भी जुड़े हुए है तथा फसल अवशेष का उपयोग पलवार व पशुओं के चारे के रूप में करते है। इन्होंने इस परियोजना के माध्यम से भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर के वैज्ञानिकों के माध्यम से ज्वार फसल की वैज्ञानिक तकनिकी को अपना कर ज्वार के उत्पादन को बढाया गया जिससे किसान की आय में वृद्धि हुई ।

18 कीटनाशकों का संतुलित उपयोग-घटती लागत स्वस्थ समाज

परिचय

नाम	: **श्री नान्ला**
पिता	: श्री भंग्या
पता	: ग्राम निवाली बुजुर्ग जिला–बड़वानी (म.प्र.)
आयु	: 38 वर्ष
कुल जमीन	: 5 एकड़
उगाई जा रही फसल	: ज्वार, मक्का, सोयाबीन
संपर्क नं.	: 9098057685

- **सलाहकार संस्थाएं :** भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर तथा मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति ।
- **परियोजना:** डी.बी.टी. वित्त पोषित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक– किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–II के अन्तर्गत प्रदर्शन। ''

समस्या

- कीटों और बीमारियों का प्रकोप ।
- जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
- भूमि की उर्वरता में कमी।
- उत्कृष्ट/उत्तम बीज की अनुउपलब्धता।

क्षेत्रों के अनुसार सोया... क्रियाएं

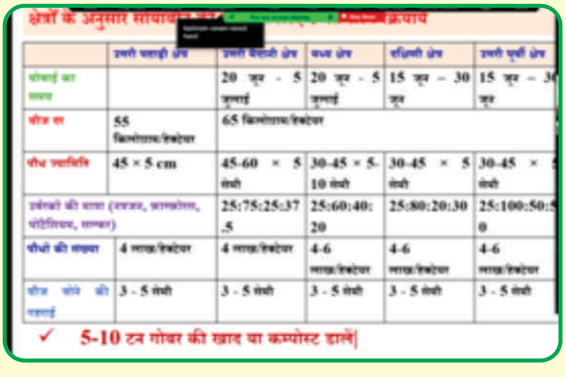

	उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र	उत्तरी मैदानी क्षेत्र	मध्य क्षेत्र	दक्षिणी क्षेत्र	उत्तरी पूर्वी क्षेत्र
बोवाई का समय		20 जून - 5 जुलाई	20 जून - 5 जुलाई	15 जून – 30 जून	15 जून – 3[illegible] जून
बीज दर	55 किलोग्राम/हेक्टेयर	65 किलोग्राम/हेक्टेयर			
पौध ज्यामिति	45 × 5 cm	45-60 × 5 सेमी	30-45 × 5-10 सेमी	30-45 × 5 सेमी	30-45 × [illegible] सेमी
उर्वरकों की मात्रा (नत्रजन, फास्फोरस, पोटेशियम, सल्फर)		25:75:25:37.5	25:60:40:20	25:80:20:30	25:100:50:[illegible]0
पौधों की संख्या	4 लाख/हेक्टेयर	4 लाख/हेक्टेयर	4-6 लाख/हेक्टेयर	4-6 लाख/हेक्टेयर	4-6 लाख/हेक्टेयर
बीज बोने की गहराई	3 - 5 सेमी	3 - 5 सेमी	3 - 5 सेमी	3 - 5 सेमी	3 - 5 सेमी

✓ 5-10 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट डालें|

निवारण

श्री नान्ला जी एक प्रगतिशील किसान है एवं नई–नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो की वर्तमान में कृषकों को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है। श्री नान्ला जी, ग्राम निवाली बुजुर्ग जिला बड़वानी, मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ.अनु.प. भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक–किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण–।। के माध्यम से जुड़े हुए है । इन्होंने इस परियोजना के माध्यम से सोयाबीन, ज्वार की वैज्ञानिक खेती के बारे मे भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर के वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में ज्वार की नवीनतम प्रजातियों के प्रयोग, सही रूप से बीजोपचार, अनुसंशित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग तथा खरपतवार, कीड़े एवं बीमारियों का सही समय पर प्रबंधन करने से अपनी फसल की उत्पादकता में वृद्धि की। इन्होने विशेषज्ञों के माध्यम से ज्वार फसल की वैज्ञानिक तकनिकी को अपना कर ज्वार के उत्पादन को बढाया जिससे बाजार में उचित मूल्य मिला जिससे किसान की ज्वार की प्रति खेती करने में रूचि बढ़ी ।

उन्नत कृषि यंत्र

भा.कृ.अनु.प. - भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान

ISO 9001:2015

खण्डवा रोड़, इन्दौर – 452 001 (म.प्र.)

ई–मेल : dsrdirectore@gmail.com / dsraddmin@gamil.com, Website : www.nrcsoya.nic.in